Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 0 4 3 1 8

PAPER - II
RAJASTHANI

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

RAJASTHANI
राजस्थानी
PAPER - II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में **सौ (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक है। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** है।

नोट : इण प्रश्नपत्र में **सौ (100)** घण विकल्पी सवाल है। हरेक सवाल सारूं **दो (2)** अंक तय है। **सगळां** सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है।

1. भाषावां रै विकास रौ सही अर मान्य क्रम है :

(1) संस्कृत, लौकिक संस्कृत, अपभ्रंश

(2) प्राकृत, देवभाषा, अपभ्रंश

(3) संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश

(4) संस्कृत, अपभ्रंश, प्राकृत

2. राजस्थानी भाषा में स्वर ध्वनियां रौ दूजौ नाम है :

(1) घोष (2) ताळव्य (3) कक्कौ (4) बिलटी

3. किण क्रम री सगळी ध्वनियां अघोष ध्वनियां रौ समूह है?

(1) क्, ख्, च्, छ् (2) त्, थ्, य्, र् (3) ख, ट्, ब, ल् (4) ड्, ज, स, ह

4. कुण सै वाक्य में व्यक्तिवाचक संज्ञा रौ प्रयोग हुयौ है?

(1) गायां चरै है। (2) जीवण च्यार दिनां रौ पावणौ गिणीजै।

(3) आज रौ मिनख रूंखड़ां रौ हितेसी है। (4) गंगा नदी घणी पवितर मानीजै।

5. कुण सी ओळी रा सगळा'ई सबद गुणवाची विशेषण है?

(1) निरोगी, दूबळौ, बळी, मिनख (2) भारतीय, मार·वाड़ी, पुराणौ, भूंडौ

(3) गोरौ, काळौ, दूध, कपड़ौ (4) गोळ, चौरस, घड़ी, छोरौ

6. 'नाथूलाल कैयौ कै वो आज आपरा टाबरां नै लेय मेळौ जोवण जावैला।' इण वाक्य में 'वो' सबद किसड़ौ सर्वनाम है?

(1) सम्बन्धवाची (2) उत्तम पुरूषवाची (3) अन्य पुरूषवाची (4) मध्यम पुरूषवाची

7. राजस्थानी में किण कारक में कोई विभक्ति चिह्न नीं होवै?

(1) कर्त्ता कारक (2) अपादान कारक (3) सम्प्रदान कारक (4) कर्म कारक

8. 'त्रिफळा' सबद में किसौ समास है?

(1) बहुब्रीहि (2) कर्मधारय (3) द्वन्द्व (4) द्विगु

9. 'मतळब-मतबळ'; 'पकड़ौ-कपड़ों, 'आदमी-आमदी' में रेखांकित सबदां में कुण सौ दोष है?

(1) महाप्रमाणीकरण (2) वर्ण-विपर्यय (3) मुख-सुख (4) हस्त लाघव

10. 'पालौ' अर 'पाळौ' सबदां रै सही अरथ वाळौ जोड़ौ है :

(1) रोकणौ अर झाड़खै रा पानां (2) झाड़खै रा पाना अर बरजणौ

(3) रोकणौ अर पैदल (4) पैदल अर रोकणौ

11. ढूंढाड़ रै किण कवि रै मूंडै 'डिंगळ गीत' सुण'र रवीन्द्रनाथ ठाकुर राजस्थानी नै संसार री सिरै भाषा बताई ही?

(1) कविराज हिंगळाजदान कविया (2) कविराज श्यामलदास

(3) कविराज केसरीसिंह बारहठ (4) कविराज मुरारदान

12. 'बीसळदेव रासौ' काव्य में बीसळदेव जीतण सारूं जावै :

(1) कर्नाटक (2) सिंध (3) बंगाल (4) उड़ीसा

13. कवि ढाढ़ी बादर री रचना 'वीरमायण' रौ मुख्य छंद है :

(1) झमाल (2) नीसाणी (3) छप्पय (4) कवित्त

14. कान्हड़दे प्रबन्ध में 'समियाणौ' गढ़ रौ नायक है :

(1) सातल (2) पीथल (3) जयमल (4) राव चन्द्रसेन

15. 'हय खुर तळ रैणइ रवि छाहिउ,
समुहर भरि ईडरवइ आइउ।'
- इण कविता री ओळियां रा कवि है?

(1) रावल हरराज (2) नरपति नाल्ह (3) श्रीधर व्यास (4) जगनीक

16. 'राम खोदावै रामसर, लिछमण बांधै पाळ।
सिर सोनै रौ बेहूड़ौ, सीतळदे पणिहार।।'
- औ दूहौ किण काव्य कृति सूं लियोड़ौ है?

(1) रामरंजाट (2) मेहा रामायण (3) राम रासौ (4) दशरथ रावउत

17. कवि कुशललाभ 'ढोला मारू रा दूहा' नै 'ढोला मारू री चौपई नाम सूं लिखिया। इण कवि रौ सम्बन्ध हौ :

(1) जोधपुर सूं (2) बीकानेर सूं (3) पूगळ सूं (4) जैसलमेर सूं

18. 'काळी करि काँठळि ऊजळ कोरण
धारे श्रावण धरहरिया।
गळि चालिया दिसोदिस जळ प्रभ,
थंभि न विरहणि नयणथिया।।'
– अै कविता री ओळियां किण कवि री है?
(1) पृथ्वीराज राठौड़ (2) किसना आढ़ा (3) जग्गा खिड़िया (4) गाडण केसोदास

19. संत परम्परा री दयाबाई किण महात्मा री शिष्या ही?
(1) सुन्दरदास (2) दादूदयाल (3) चरणदास (4) राघवदास

20. सहजोबाई किण पंथ री अनुयायी है?
(1) दादू पंथ (2) चरणदासी पंथ (3) निरंजनी पंथ (4) रामस्नेही पंथ

21. 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' डिंगळ रै किण छंद में रचियोड़ी रचना है?
(1) नीसाणी (2) घनाक्षरी (3) कुंडळिया (4) वेलियो

22. कुणसी ओळी रै सगळै रचनाकारां रौ सम्बन्ध मार·वाड़ री आंचलिकता सूं है?
(1) वृंद, नरहरिदास, आसाणंद, अल्लूदास कविया
(2) मीरां, अलीबक्ष, ईसरदास, ओपा आढ़ा
(3) मीरां, वृंद, अल्लूदास कविया, बावजी चतरसिंह
(4) नरहरिदास, अल्लूदास कविया, गवरीबाई, आसाणंद

23. 'रावळ जाम रा मरसिया' रै रचनाकार रौ नाम है :
(1) ईसरदास (2) सांया झूला (3) आसाणंद (4) पहाड़खां

24. कवियां रै रचना काळक्रम री दीठ सूं किण सौ क्रम सही है?
(1) असायत, श्रीधर, दलपत, नरपति नाल्ह
(2) दलपत, असायत, श्रीधर, नरपति नाल्ह
(3) नरपति नाल्ह, दलपत, श्रीधर, असायत
(4) श्रीधर, असायत, नरपति नाल्ह, दलपत

25. नीचै लिख्या जोड़ा में सूं असंगत जोड़ौ कुण सो है?
(1) गवरीबाई – डूंगरपुर (2) सहजोबाई – मेवात
(3) प्रताप कुंवरि – जोधपुर (4) सुन्दर कुंवरि – वागड़

26. नीचै लिखी रचनावां नै रचनाकारां रै नामां सूं मिळाओ :

(a)	गळगचिया	(i)	अन्नाराम सुदामा
(b)	नेहरूजी नै ओळबो	(ii)	कन्हैयालाल सेठिया
(c)	समय बायरो	(iii)	लक्ष्मणदान कविया
(d)	महकती काया मुळकती धरती	(iv)	नानूराम संस्कर्ता
		(v)	खेतदान चारण

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(v)	(iv)	(i)
(4)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)

27. 'छैल बिराणो लाख को हे, अपणै काम न कोय।
ताके संग सिधारता अै _____ ।।
भगत कवयित्री मीरां रै इण पद में खाली जाग्यां आवणवाळी ओळी है :

(1) राण'ज बरसै रोय।

(2) भलो न कहसी कोय।

(3) सही कहै सब कोय।

(4) जगती बरजै तोय।

28. 'दरजी मयाराम री वात' रा लेखक है :

(1) बुधजी आसिया (2) बांकीदास आसिया (3) मोडजी आसिया (4) कृपाराम खिड़िया

29. 'राउ जइतसी रउ छंद' रै रचनाकार कवि रौ नाम है :

(1) बखता खिड़िया (2) बांकीदास (3) कविया करणीदान (4) बीठू सूजा

30. किण प्राचीन ग्रंथ में राजस्थानी सारूं 'मरूभासा' नाम मिळै ?

(1) रणमल्ल छंद (2) कुवलयमाला (3) बसंत विलास (4) बीसलदेव रासौ

31. नीचै लिख्या नामां मांय सूं किसो नाम प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विधा रो नीं है :

(1) पट्टावली – गुर्वावली (2) टीका – टब्बा

(3) वात – ख्यात (4) वाणियां – भजन

32. मूळ ग्रंथ रै सबदां रा अरथ आजू-बाजू अर ऊपर-नीचै लिखीजण री परंपरा वाळी संक्षिप्त भाषा टीका रो नाम है :

(1) बालावबोध (2) टब्बा (3) वंशावली (4) ख्यात

33. गणपति स्वामी रौ सुप्रसिद्ध गीत है :

(1) माता बैण सुणावै यूं (2) धीरौ बेली धीरौ

(3) सेनाण पड़्यौ हथळैवै रौ (4) माटी थनै बोलणौ पड़सी

34. नीचै लिख्योड़ा नामां में सूं किसौ नाम प्रगतिवादी चेतनापरक कवि रौ नीं है?

(1) हरीश भादाणी (2) रेवतदान चारण (3) बुद्धिप्रकाश पारीक (4) पारस अरोड़ा

35. सांस्कृतिक अर पौराणिक कथानक वाळी कविता करणियै कवि रौ नाम है :

(1) मोहन आलोक (2) गिरधारी सिंह पड़िहार (3) नंद भारद्वाज (4) भागीरथ सिंह भाग्य

36. सही मेळ वाळो समूह है :

(a)	महाराजा रतनसिंह री दवावैत	(i)	गाडण शिवदास
(b)	अचलदास खींची री वचनिका	(ii)	दयालदास सिंढायच
(c)	रावळ माला सलाखावत रो गुण	(iii)	बारहठ आसाणंद
(d)	क्रिसण जी री वेलि	(iv)	सांखला करमसी रूणेचा

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

37. सीधी सपाट शैली मांय अेक ई ठिकाणै, घटना अर जाति रो ब्यौरैवार बरणाव करीजै, उण गद्य विधा रो नाम है :

(1) वंशावली (2) पट्टावली (3) विगत (4) ख्यात

38. ''ओ कोई छंद कोनी, जिणमें मात्रावां, वरणां रा गणां रो विचार हुवै। आ तो अन्त्यानुप्रासमय गद्य चाल है।'' 'रघुनाथ रूपक गीतां रो' ग्रंथ में आ बात कुणसी राजस्थानी गद्य-विधा सारू कहीजी है :

(1) गुर्वावली (2) दवावैत (3) विगत (4) वारता

39. नीचै लिख्योड़ा नामां में सूं किसौ नाम राजस्थानी गजलकार रौ नीं है?

(1) मीठेश निर्मोही (2) लालदास राकेस (3) सत्येन जोशी (4) रामेश्वरदयाल श्रीमाली

40. नीचै लिख्योड़ां वाक्यां मांय सूं कुणसो कथन सही नीं है :

(1) पीढी दर पीढी रो गद्य रूप में बरणाव वाळी रचना वंशावली कहीजै।

(2) दवावैत अर वचनिका रा दो-दो भेद हुवै- अेक गद्यबंध अर दूजो पद्यबंध।

(3) गद्य अर पद्य रो वाल्हो मेळ, तुकांत अर मोहरामेळ रै जड़ाव वाळी रचना वचनिका कहीजै।

(4) दवावैत अर वचनिका में इतरो ई आंतरो है कै वचनिका में उर्दू-फारसी सबदां री बोहळायत रैवै अर दवावैत में नीं।

41. राजस्थानी नई कविता रै आगीवाण कवि रौ चावौ नाम है :

(1) लक्ष्मणसिंह 'रसवंत' (2) रघुराजसिंह हाडा (3) तेजसिंह जोधा (4) दुर्गादानसिंह गौड़

42. किसौ नाम प्रकृतिकाव्य सूं सम्बन्ध नीं राखै ?

(1) चन्द्रसिंह बिरकाळी (2) चैनसिंह परिहार (3) नारायणसिंह भाटी (4) सुमेरसिंह शेखावत

43. चन्द्रप्रकाश देवल री चावी पोथी रौ नाम है :

(1) पागी (2) रात कसूंबल (3) रिंधरोही (4) मेघमाळ

44. साहित्य अकादेमी नई दिल्ली रौ बरस 2017 रौ राजस्थानी साहित्य रौ पुरस्कार किण रचनाकार नै मिळियौ ?

(1) प्रमोद कुमार शर्मा (2) मधु आचार्य 'आशावादी'

(3) बुलाकी शर्मा (4) नीरज दईया

45. कहाणी विधा री किसी पोथी मनोहरसिंह राठौड़ री नीं है ?

(1) खिड़की (2) रोसनी रा जीव (3) आस्था री मंदाकिनी (4) गढ़ रौ दरवाजौ

46. ऋतु वरणाव री दीठ सूं राजस्थानी जैन काव्य री किसी विधा घणी महताऊ मानीजै ?

(1) पवाड़ो (2) फागु (3) चौपई (4) कुलक

47. प्राकृत भाषा रै सबसूं बड़े ग्रंथ 'भगवती सूत्र' रौ राजस्थानी भाषा में 'भगवती री जोड़' नाम सूं उल्थौ करणियां रचनाकार रौ नाम है :

(1) जयाचार्य (2) आचार्य भिक्षु (3) आचार्य तुलसी (4) ऋषिराय

48. 'तीखीधार' कथा पोथी रै लेखक रौ नाम हैं :

(1) ओम पुरोहित 'कागद' (2) नारायणसिंह 'पीथल' (3) मालचंद तिवाड़ी (4) रामस्वरूप किसान

49. पत्रिकावां अर सम्पादकां रौ किसौ जोड़ौ गळत है ?

(1) कथेसर–रामस्वरूप किसान (2) अनुसिरजण – जुगलपरिहार

(3) हथाई – भरत ओळा (4) माणक – पदम मेहता

50. नीचै लिख्या नामां में सूं किसौ नाम राजस्थानी गीतकार रौ नीं हैं ?

(1) मुकुट मणिराज (2) मोहम्मद सद्दीक (3) ज्योतिपुंज पंड्या (4) कानदान 'कल्पित'

51. कोई चीज जिण रूप में नीं है, उण री उण रूप में संभावना करी जावै, उण अलंकार रौ नाम है :

(1) उत्प्रेक्षा (2) रूपक (3) श्लेष (4) उपमा

52. लोकाख्यानां मुजब नागौर जिले रौ खींवसर कस्बौ बसायौ हौ :

(1) खींवसी सांखला (2) खींवसी करमसोत (3) खींवसी मांगळिया (4) खींवसी भंडारी

53. लोककथा रौ आधारभूत तत्त्व है :

(1) आदर्शवाद अर लोकरूढ़ियां (2) आदर्शवाद अर लोकविश्वास

(3) आदर्शवाद अर लोकनृत्य (4) आदर्शवाद अर ख्यातसाहित्य

54. 'सूतौ खूंटी तांण, बतळायां बोलै नहीं।' – आ ओळी राजस्थानी प्रेमाख्यानां री किसी नायिका आपरै किण प्रेमी सारूं कैवै ?

(1) मारवणी ढ़ोला सारूं (2) मूमल महेन्द्रा सारूं

(3) आभल खींवजी सारूं (4) नागवंती, नागजी सारूं

55. राजस्थान रौ किसौ लोक नृत्य बैठा–बैठा'ई करीजै ?

(1) तेराताळी (2) चरी नृत्य (3) चिड़ी–नाच (4) चंवरी नृत्य

56. 'म्हारै सूं गोरौ उणनै पीळियै रौ रोग।' – इण लोकोक्ति रौ मांयलौ निहितार्थ है :

(1) म्हारै सूं गोरौ कोई कोनी, जे कोई है तो उणरै रोग है।

(2) पागलपन रौ दौरौ।

(3) कूड़ै अहंकार रौ भाव।

(4) पीळियौ हुयां आदमी रौ रंग गोरौ हो जावै।

57. 'म्हारा रतन राणा! अेकर तो अमराणै घुड़ला फेर।' औ लोकगीत किण भांत रौ गीत है ?

(1) झुरावौ गीत (2) सिणगार–गीत (3) जातरा–गीत (4) पड़ाव–गीत

58. 'बाबहिया तूं चोर, थारी चोंच कटाविसूं।
रातिज दीन्ही लोर, मंइ जाण्यउ प्री आवियउ॥'
अै ओळियां किण छंद री है?
(1) नाराच (2) झूलणा (3) नीसाणी (4) सोरठो

59. लोकगाथा ढोला-मरवण में 'करहलौ' किण रंग रौ बखाणिज्यौ है?
(1) कसूंबल-रंग (2) कुंकुंम-व्रण (3) धूसर-व्रण (4) रंग-रूपाळौ

60. राजस्थानी में 'सोळा संस्कार गीत' रचणवाळी कवयित्री रौ नाम है :
(1) रूपांदे (2) गवरीबाई (3) समानबाई (4) राणादे

61. छप्पय छंद किण किण रै मेळ सूं बणै?
(1) दूहै अर चंद्रायण रै मेळ सूं (2) चन्द्रायण अर उल्लाला रै मेळ सूं
(3) रोळा अर उल्लाळा रै मेळ सूं (4) चन्द्रायण अर सपंरवरो रै मेळ सूं

62. 'छै _____ छंद रै, मत तेबीस मुकांम।
मांझ अेक तुक त्रदस दस, वदै दोय विसरांम।।'
- इण ओळी री खाली जग्या में आवैला -
(1) नीसाणी (2) झूलणा (3) दूहा (4) उल्लाळा

63. नीचै लिख्योड़ै नामां में सूं 'द्रोणपुर-छापर' रौ सम्बन्ध किण नाम सूं जुड़ै?
(1) भटियाणी पद्मणी (2) सांखली सुपियारदे (3) सांखली उमादे (4) मोहिलाणी कोडमदे

64. परभातै गहडम्बरा, दोहपारां तपंत।
रातूं बाजै व़ायरा, चेला करौ गछंत।।'
- इण दूहै रै मुजब आवणवाळै बरस रा सुगन है :
(1) चोखौ चौमासौ होवणौ (2) भयंकर काळ पड़णौ
(3) भादरवै बिरखा बरसणी (4) तीरथ जातरा जावणौ

65. किसै क्रम रा सगळा सबद 'ऊँट' रा पर्यायवाची है?
(1) करहलौ, पांगळ, जाकोड़ौ (2) जाकोड़ौ, करहौ, बाजी
(3) पांगळ, हयवर, करहौ (4) पांगळ, कुंजर, करहौ

66. जठै किणी पद्य में अरथ रौ अनरथ हो जावै, उण पद्य में कुणसौ दोष होवै?
(1) जातिविरोध (2) नाळछेद (3) हीण (4) अपस

67. 'राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान' जोधपुर रा संस्थापक संचालक हा :

(1) नरोत्तमदास स्वामी (2) मुनि जिनविजय (3) अगरचंद नाहटा (4) डॉ. नारायणसिंह भाटी

68. 'वेळां रा बायोड़ा मोती नीपजै' कहावत रौ निहितार्थ है :

(1) बेळा-कुबेळा मोती बावणा ठीक कोनी।

(2) मोती निपजावणा होवै, तौ बेलां ऱावणी ई पड़ै।

(3) बेलां रै लाग्योड़ा मतीरा मोती जैड़ा होवै।

(4) बगतसर कर्‌योड़ै काम रौ ई ओपतौ फळ मिळै।

69. लोक साहित्य री किसी विधा सूं पैली 'छोगा' कहीजै ?

(1) लोककथा (2) लोकनाट्य (3) लोकगीत (4) लोकगाथा

70. शब्दालंकार रा सगळा सही नाम किण क्रम रा है ?

(1) वक्रोति, वैणसगाई, विभावना (2) श्लेष, पुरुक्तिप्रकाश, विरोधाभास

(3) अनुप्रास, यमक, श्लेष (4) यमक, उपमा, वैणसगाई

71. नीचै लिख्योड़ा किसै क्रम रा सगळा वाद्य 'सुषिर वाद्य' है ?

(1) मुरळा, खड़ताळ, बांकियौ, सुरनाई

(2) नड़, भूंगळ, चंग, तुरही

(3) पूंगी, भूंगळ, कमायचा, मुरळा

(4) बांकियौ, सुरनाई, मुरळा, अळगोजा

72. नीचै लिख्योड़ै नामां में सूं किसौ 'तांत वाद्यां' रौ सही क्रम हैं ?

(1) तानपुरा, बेला, वीणा, डमरू (2) कमायचा, सारंगी, सितार, इसराज

(3) कमायचा, पखावज, सारंगी, मशक (4) सारंगी, नादस्वरम्, इसराज, झालर

73. लोक देवतावां अर वांरी जगावां रौ किसौ जोड़ौ गळत है ?

(1) मल्लीनाथ जी - पोहकरण (2) हड़बूजी - बैंहगटी

(3) पाबूजी - कोळू (4) गोगाजी - ददरेवा

74. मेवाड़ में 'सांझी' रौ चित्रण कद कर्‌यौजावै ?

(1) दसरावा माथै (2) होळी माथै

(3) पितर-पख में (4) गणगौर में

75. 'माड' अर 'वल्लमंडळ' भूभाग रौ सम्बन्ध वर्तमान रै किण भूभाग सूं है ?

(1) बीकानेर (2) जैसलमेर (3) जोधपुर (4) उदयपुर

76. 'बारहबरस री माया दीनी,
बारह बरस री काया।'
– अै ओळियां किण लोकगाथा सूं सम्बन्ध राखै ?

(1) निहालदे – सुलतान (2) भरथरी गाथा
(3) जीणमाता (4) बगड़ावत

77. नीचै लिख्योड़ै नामां में सूं किसौ 'घनवाद्यां' रौ सही क्रम हैं ?

(1) माटौ, खड़ताल, घुंघरू, झांझ
(2) खड़ताल, माटौ, घुंघरू, डफ
(3) माटौ, खड़ताल, जलतरंग, डमरू
(4) खड़ताल, जलतरंग, मृदंग, डमरू

78. मेवाड़ रै उण मेळै रौ नाम बतावौ, जिणमें पैलै दिन आदमियों रौ अर दूजै दिन लुगायां रौ मेळौ भरीजै :

(1) सखिया सोमवार रौ (2) गणगोर रौ
(3) हरियाळी अमावस रौ (4) सीतळा माता रौ

79. 'बळ वो सादर वरणवूं, सारद करौ सहाय।
पव्वाड़ौ पनंगा सिरै, जदुपति कीधौ जाय।।'
– इण रचना अर रचनाकार रौ सही जोड़ौ किसौ है ?

(1) बेलि क्रिसण रूकमणी री–पृथ्वीराज राठौड़
(2) नागदमण – सायांजी झूला
(3) द्रोपदी विनय – रामनाथ कविया
(4) हरिरस– ईसरदास

80. 'रज्जब तैं गज्जब किया, सिर पर बांधा मोर।
आया था हरिभजन को, करै नरक को ठौर।।'
– औ दूहौ किण संत कवि रौ है ?

(1) संत जसनाथ (2) संत चरणदास (3) संत रज्जब (4) संत दादू दयाल

निर्देश : **सवाल संख्या 81 सूं 83 तांई रै सवालां में दो कथन दियोड़ा है। इण में सूं अेक थापना [Assertion] (A) है अर दूजोड़ौ तर्क [Reason] (R) है। कोड में दियोड़ा विकल्पां में सूं सही विकल्प चुणौ।**

81. **थापना [Assertion] (A)** : समाज अर मानखै रो आपस में चोळी-दामण रौ साथ है।

तर्क [Reason] (R) : क्यूंकै समाज उण री जरूरतां नै पूरी करै, उणरी खूबियां सरावै अर उण री कमियां नै कोसै।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** गळत (2) **(A)** गळत **(R)** सही

(3) **(A)** सही **(R)** सही (4) **(A)** गळत **(R)** गळत

82. **थापना [Assertion] (A)** : कोसीस कियां सूं हरेक चीज पनपै नै कामयाब हुवै है।

तर्क [Reason] (R) : समै सूं पैली अर भाग सूं ज्यादा कदैई नीं मिळै।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** गळत (2) **(A)** सही **(R)** सही

(3) **(A)** गळत **(R)** गळत (4) **(A)** गळत **(R)** सही

83. **थापना [Assertion] (A)** : हारणै पर कायर बण कुरळाणौ अर जीतणै पर खुसी सूं नाच पड़णो तो टाबरां रा सा खेल है।

तर्क [Reason] (R) : ग्यानी मिनख तो बो है जिको खुद तमासो नहीं बण'र तमासो देखणियो बणै।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** गळत (2) **(A)** गळत **(R)** सही

(3) **(A)** गळत **(R)** गळत (4) **(A)** सही **(R)** सही

84. आपस में मेळ मिळावतां सही जोड़ां वाळौ विकल्प चुणौ :

(a)	दादू पंथ		(i)	शाहपुरा
(b)	जसनाथी		(ii)	डीडवाना
(c)	निरंजनी		(iii)	कतरियासर
(d)	राम स्नेही		(iv)	नरैना

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

85. आपस में मेळ मिळावतां सही जोड़ां वाळौ विकल्प चुणौ :

(a)	सूरजमल मीसण	(i)	ढूंढाड़
(b)	बावजी चतरसिंह	(ii)	हाड़ौती
(c)	बारहठ बालाबख्श	(iii)	मारवाड़
(d)	डॉ. शक्तिदान कविया	(iv)	मेवाड़

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

86. ज्योतिपुंज अर उपेन्द्रअणु रौ सम्बन्ध राजस्थान री किण आंचलिकता सूं है ?

(1) जंगळधरा (2) शेखावाटी (3) वागड़ (4) गोडवाड़

87. 'गांव पोथी
झूंपा आखर
गळयां गैला छंद
कविता टाबर।'– कन्हैयालाल सेठिया री अै ओळियां किण पोथी सूं लियोड़ी है ?

(1) कूंकूं (2) लीलटांस (3) सतरंगिणी (4) धरती धोरां री

88. किसौ नाटक अर्जुनदेव चारण रौ नीं है ?

(1) गवाड़ी (2) धरमजुद्ध (3) संकरियो (4) नादिरशाह

89. 'तीडौराव' लोक उपन्यास रा लेखक है :

(1) हरीश भादाणी (2) विजयदान देथा (3) अन्नाराम सुदामा (4) नृसिंह राजपुरोहित

90. राजस्थानी निबंध री दीठ सूं पोथी अर लेखक रै नाम रौ किसौ जोड़ौ गळत है ?

(1) रोहिड़ै रा फूल – मनोहर शर्मा (2) धरमजलां धरकोसां – जहूरखां मेहर
(3) मेवै रा रूंख – अन्नाराम सुदामा (4) माणक मोती – सुमेरसिंह शेखावत

91. मजदूरां रै काम आवणवाळा उपकरणां रौ किसौ क्रम सही है ?

(1) तगारी, फावड़ौ, मस्तर, टांकी (2) गेंती, तगारी, तरकारी, फावड़ौ
(3) हाबल, हथोड़ौ, मुखोटौ, फावड़ौ (4) टांकी, करणी, डस्टर, मस्तर

92. 'सांदू हूंफा सेवियौ, साहब दुरजन सल्ल।
त्रिड़दां माथौ बोलियौ, गीतां, दूहां गल्ल।।'
– इण दूहै रा रचनाकार है :
(1) कविया करणीदान (2) रावळ दुरजणसाल
(3) सांदू हूंफकरण (4) महाराजा मानसिंह

93. काशी नागरी प्रचारणी सभा काशी नै राजस्थानी भाषा री पोथियां छापण सारूं रकम भेंट करणवाळा महानुभव रौ नाम हौ ?
(1) बारहठ केसरी सिंह (2) बारहठ बालाबख्स
(3) किशोरसिंह वार्हस्पत्य (4) कविराज मुरारदान

94. राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर कांनी सूं पैलौ अन्तरराष्ट्रीय राजस्थानी साहित्य समारोह बिड़ला सभागार जयपुर में किण अध्यक्ष रै कार्यकाल में सम्पन्न हुयौ ?
(1) डॉ. सोनाराम विश्नोई (2) डॉ. शान्ति भारद्वाज राकेश
(3) डॉ. देव कोठारी (4) श्री श्याम महर्षि

95. पृथ्वीराज रासौ महाकाव्य रौ कथानक बंट्योड़ौ है :
(1) समय में (2) सर्ग में (3) अध्याय में (4) संधि में

96. राजस्थानी अनुवादकां री दीठ सूं किसौ जोड़ौ गळत है ?
(1) मेघदूत – नारायणसिंह भाटी
(2) रवीन्द्रनाथ री कवितावां – आईदानसिंह भाटी
(3) भरथरी शतक – मनोहर शर्मा
(4) रचाव – चेतन स्वामी

97. राजस्थानी भाषा री मान्यता सारूं राजस्थान री विधानसभा में किण मुख्यमंत्री रै कार्यकाल में 'मान्यता रौ प्रस्ताव' पास हुयौ ?
(1) वसुंधरा राजे (2) अशोक गहलोत (3) भैरोंसिंह शेखावत (4) हरिदेव जोशी

98. 'रमणियौ' सबद में किसौ प्रत्यय है ?
(1) ईयौ (2) यौ (3) इयौ (4) णियौ

99. लोकगाथा ढोला–मरवण रौ सम्बन्ध किण जोड़ै सूं है ?

(1) जैसलमेर – बाहड़मेर (2) जयपुर–हाड़ौती

(3) ढूंढाड़ – नरवर (4) पूगळ – नरवर

100. 'राजस्थानी नर–नाहर मरदानगी रो महारथी, पुरसारथ रौ हिमायती, वीरता में बेजोड़। सूरमो इसो कै मरणै मर जावै पण पीठ नीं दिखावै। सुगरापण री मरजाद राखै अर नुगरो नीं बणै। अपणां आगै अपूठौ पण अरियां सामो घाटो। रजवट री रीत जीवट रै भरोसै जीवै मरै। अपणी सींव रूखाळै अर परायी टाळै। जिणरो निपज्यो अनजळ भोगै उण धरती माता री हदां पराये पगां उलांघण नीं देवे।' इण गद्य अवतरण रौ ओपतौ सार वाक्य है :

(1) राजस्थानी आदमी पुरसारथी अर मरजाद राखणवाळौ है।

(2) राजस्थानी आदमी नुगरौ नीं है।

(3) राजस्थानी आदमी घणो ई पुरसारथी है।

(4) राजस्थानी संस्कृति में ताकतवर ई सदा आगै रै.वै।

- o O o -

Space For Rough Work